हिंदी दिवस

डॉ. ललिता कुमारी
आर. के. डी. एफ. विश्वविद्यालय रांची
कटहल मोड़, मो.– 8969330114
lalitakumari655@gmail.com

हिंदी से हिंदुस्तान और हम सब की पहचान
हिंदी है हमारी आन–बान और शान,

इसकी उन्नति से ही जीवंत हमारी संस्कृति
वेद, पुराण, उपनिषद में व्याप्त मानव की प्रगति,

हिंदी भाषा जन–जन की भाषा हर मन की आशा
इसे सीखने की होती सबकी जिज्ञासा,

ज्ञान अर्जन में विपुल जीवन को बना दे प्रफुल्ल
परिस्थितियों को करती सदा अनुकूल,

शब्द पठन–पाठन में सरल
लेखन वाचन में नहीं तनिक भी जटिल
इसे सीखना नहीं मुश्किल,

हिंदी की महिमा रहे युग युगांतर
इसकी ख्याति फैले सर्वत्र अक्षांश और देशांतर
हिंदी भाषा है सर्वोच्च और श्रेष्ठतर,

संस्कृत से संस्कृति हिंदी से हिंदुत्व
कायम रहे सदा इसका प्रभुत्व,

भाषा की अभिव्यक्ति का आधार
बिना इसके जीवन है निराधार,

भाषा भाव में, अभाव में, प्रभाव में, जीवन की हर राह में
धूप में छांव में नदी की धार में बीच में मझधार में

हिंदी हमारी जीवन की हर
किरदार में,

सादगी, ताजगी और जिंदादिली
हर मन की हंसी हर क्षण की खुशहाली
हिंदी भाषा स्वयं में अनोखी अनूठी और निराली,

रामायण में रमणीयता
कामायनी में कमनीयता,
गीता में यथार्थता महाभारत में कर्मठता
वेदों में विद्वता, पुराणों में जीवंतता,

हिंदी भाषा में रचित गीत, गजल, शायरी और रूबाईयां,
नाटक, उपन्यास, शब्द चित्र, रेखा चित्र और कहानियां,
स्मरण कराती सदा संस्कृति जुडती हमसे हमारी प्रकृति,

जीवन में ऐसे भी पल आते हैं जब हम विचलित हो जाते हैं,
भूत, भविष्य, वर्तमान सर्वत्र अंधेरे छा जाते हैं,

उस पल को कर देती सरल साहित्यिक रचनाएं ,
निराशा भरे जीवन में जगती हैं आशाएं नित नवीन संभावनाएं,

साहित्य, कला, वाणिज्य विज्ञान इनके अध्ययन से ही मानव हासिल कर पाता अपना मुकाम,

हिंदी भाषा कर्ण प्रिय, हृदय ग्राही, मर्मस्पर्शी,
इससे ही मिलती मन को आंतरिक खुशी,

हिंदी दिवस मनाना मात्र मनोरंजन नहीं
ज्ञात रहे विलुप्त ना हो जाए हिंदी भाषा कहीं,

राजभाषा है यह अब तक राष्ट्रभाषा बनेंगी कब तक
प्राप्त होगी इसे अवश्य एक दिन यह हक, इसमें तनिक भी नहीं है शक,
इसकी अहमियत को पहचाने, हिंदी हमारी पहचान हमारा स्वाभिमान हम सब इसे मानें